INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES
Peer Reviewed -Referred -Open Access Journal
ISSN: 2945-3127
Vol. (2026), Issue -1
Impact Factor: 5.2

छात्रावास और परिवार में रहने वाले विद्यार्थियों की बुद्धि समायोजन एवं दुश्चिता का अध्ययन

सीमा मित्तल , डॉ. अवधेश आर्या
शोधार्थी, माधव विश्वविद्यालय, पिण्डवारा, सिरोही
डीन शिक्षा संकाय , माधव विश्वविद्यालय, पिण्डवारा,

DOI: https://doi.org/10.56815/IRJAHS/2026.V(2026)I1.18-21

Abstract

प्रस्तावना – घर या परिवार समाज की एक इकाई है। यह सबसे अधिक आधारभूत सामाजिक समूह है इसमे साधारणतः पति–पत्नी और उनके बच्चे होते है। पारिवारिक परिवेश से आशय व्यक्तियों के उस समूह से है, हो विवाह, रक्त या गोद लेने के बंधनो से जुड़े एक गृहस्थी का निर्माण करते है। पति– पत्नी माता–पिता, पुत्र–पत्नी भाई बहिन अपने – अपने सामाजिक कार्यो से प्रभाव डालते है।

छात्रावास मे रहने वाले विद्यार्थियो की बुद्धि समायोजन का स्तर व दुश्चिता का स्तर अलग–अलग होता है। परिवार मे मूलभूत आवश्यता नही मिलने की वजह से विद्यार्थी छात्रावास की ओर रुख करते है। परिवार रहकर और छात्रावास मे रहकर विद्यार्थी किस प्रकार से समायोजित व दुश्चिता को दूर करते है इसी जिज्ञासा से प्रस्तुत समस्या को जन्म दिया इसलिए शोधार्थी द्वारा परिवार एवं छात्रावास मे रहने वाले विद्यार्थियो की बुद्धि, समायोजन व दुश्चिता के स्तर का अध्ययन किया है।

मुख्य शब्द :–

पारिवारिक एवं छात्रावसीय परिवेश, विद्यार्थी, बुद्धि, समायोजन व दुश्चिंता।

पारिवारिक परिवेश :– परिवार का परिवेश अनेक प्रयासो से परिपूर्ण होता है। परिवार मे रहकर ही बालक बड़ो की आज्ञा पालन, अनुशासन मे रहना? एक दूसरे की सहायता करते देख सहयोग की शिक्षा एवं अपने कर्तव्यो का सही पालन करना आदि भाव ग्रहण करना सिखाते है।

INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES © 2024
is licensed under Attribution-NonCommercial 4.0 International

INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES

Peer Reviewed -Referred -Open Access Journal

ISSN: 2945-3127
Vol. (2026), Issue -1
Impact Factor: 5.2

1. INTRODUCTION

छात्रावासीय परिवेश :–

शिक्षा ही मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारती है, तथा उन्हे अच्छे तथा बुरे में अन्तर करने योग्य बनाती है, अनुशासन और निष्ठा और इस प्रकार बालकों के चरित्र को सवारती है शिक्षा के इन्ही गुणों से प्रेरित होकर विश्व की सभी सरकारों ने शत प्रतिशत साक्षरता लाने की बात कही, हमारी सरकार भी सौ प्रतिशत साक्षरता हो इसके लिए अथक प्रयास किये जा रहे है। लेकिन राज्यों की भौगोलिक स्थिति इतनी अधिक दितरी हुए है कि वहा एक बहुत बड़ा समाज भी नही बन पाया है इसी कारण विद्यालय व महाविद्यालयों का अभाव रहता है अतः वे अपनी जन्मभूमि छोड़कर छात्रावास में आते है। विद्यार्थी अपने परिवार की मूलभूत संस्कार प्राप्त करके ही छात्रावास में प्रवेश करते है। इस स्तर पर आयु परिवेश से अधिक से अधिक सीखने की होती है। अंतः छात्रावासों की अच्छी व्यवस्था का उनके व्यक्तिगत जीवन पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। कभी–कभी छात्रावासों का वातावरण भी दूषित हो जाता है जिससे विद्यार्थियों का व्यक्तिगत जीवन बिगड़ जाता है। छात्रावास का वातावरण बुद्धि, समायोजन एवं दुश्चिंता को प्रभावित करते है। विद्यार्थियों की बुद्धि समायोजन एवं दुश्चिंता को परिवेश, परिवार, साहचर्य, सामाजिक, भौगोलिक वातावरण आर्थिक स्थिति विद्यालय छात्रावास सभी घटक प्रभावित करते है।

बुद्धि :–

बुद्धि का अन्तर मनुष्य की शैशवावस्था से ही परिलक्षित होने लगता है क्योंकि बुद्धि विद्यार्थी का जन्मजात गुण ही और इस गुण के कारण कोई कुशाग्र बुद्धि, और साधारण बुद्धि व कोई मंद बुद्धि हो सकता है।

समायोजन :–

समायोजन का अर्थ किसी परिस्थिति में सामंजस्य बनाये रखने के लिए उचित व्यवहार करना समायोजन है। गेहस एवं अन्य – समायोजन के अर्थ दो रूपों में किया गया है। समायोजन निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है तथा पर्यावरण के बीच सन्तुलन स्थापित करना है। दूसरे अर्थ में समायोजन एक सन्तुलन दशा है जिस पर पहुचने पर हम उस व्यक्ति को सुसमायोजित कहते है।

दुश्चिता :–

चिंता अत्यन्त दुखदायी मानसिक अवस्था भय से मिलती है, इसके कारण व्यक्ति घुटन महसूस करता है व उदासी से परिपूर्ण हो जाता है। दुश्चिता बालक के विकास की प्रक्रिया मं रूकावट पैदा करती है तथा किसी भी कार्य को बालक पूर्ण मनोयोग के साथ करने में असफल रहता है। दुश्चिता कई क्षेत्रों से सम्बधिंत रहती है। जैसे सफलता और असफलता की प्राप्ति, व्यवसाय, के प्राप्ति चिंता, शैक्षिक आकांक्षाओं सम्बधिंत आदि।

INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES © 2024
is licensed under Attribution-NonCommercial 4.0 International

INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES

Peer Reviewed -Referred -Open Access Journal

ISSN: 2945-3127
Vol. (2026), Issue -1
Impact Factor: 5.2

शोध के उद्देश्य :– छात्रावास एवं परिवर में रहने वाले विद्यार्थियों की बुद्धि, समायोजन व दुश्चिंता का अध्ययन व तुलना करना।

परिकल्पनाऐ :– छात्रावास एवं परिवार में रहने वाले विद्यार्थियों की बुद्धि समायोजन व दुश्चिता में सार्थक अन्तर नही होता है।

परिसीमन शोध में जोधपुर, जयपुर, उदयपुर के 520 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

अध्ययन के चर :–

1. स्वतंत्र चर – परिवार, विद्यार्थी एवं छात्रावास
2. आश्रित चर – बुद्धि, समायोजन, दुश्चिंता

न्यादर्श :– छात्रावास एवं विद्यालय से 520 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

उपकरण :–

1. डॉ. पी. श्याम जलोटा द्वारा निर्मित सामूहिक मानसिक परीक्षण
2. डॉ. ए. के. पी. सिन्हा द्वारा निर्मित विद्यार्थियों के लिए समायोजन सूची ?
3. डॉ. के. कुमार द्वारा निर्मित सामान्य दुश्चिंता मान सूची।

प्रयुक्त सांख्यिकी :–

शोध में प्रस्तुत सांख्यिकी के लिए निम्नलिखित विधि प्रयुक्त की गई है –

1. मध्ययान
2. प्रमाप विचलन
3. टी– टेस्ट

निष्कर्ष –

परिकल्पना :– छात्रावास व परिवार में रहने वाले विद्यार्थियों की बुद्धि में सार्थक अंतर नही होता है।

प्रमाप विचलन टी मूल्य 1.30 प्राप्त हुआ जो कि विश्वास स्तर .05 के विश्वास स्तर के मूल्य 1.96 से कम है अर्थात् प्रथम परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना – 2

टी मूल्य .18 प्राप्त हुआ जो कि विश्वास स्तर .05 से के मूल्य 1.96 से कम है अर्थात् परिकल्पना द्वितीय स्वीकृत की जाती है।

INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES © 2024
is licensed under Attribution-NonCommercial 4.0 International

INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES

Peer Reviewed -Referred -Open Access Journal

ISSN: 2945-3127
Vol. (2026), Issue -1
Impact Factor: 5.2

परिकल्पना – 3

टी मूल्य 5.42 प्राप्त हुआ जो कि विश्वास स्तर .05 के मूल्य 1.96 से अधिक है अतः तीसरी परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

व्याख्या :– जो विद्यार्थी छात्रावास में रहते है तथा जो विद्यार्थी परिवार में रहते है उनकी बुद्धि व समायोजन में कोई अंतर नही देखा गया है परन्तु छात्रावास में रहने वाले छात्र एवं छात्राओं की दुश्चिंता में अंतर पाया गया है अर्थात् छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थी अधिक चिन्तित पाये गए।

सुक्षाव –

1. परिवार में बच्चों का उचित पालन–पोषण करन चाहिए तथा अभिभावकों को अनुशासन की मिसाल बननी चाहिए।
2. विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा देना चाहिए ताकि यह विद्यालय में समायोजित हो सके।
3. छात्रावास की स्थापना शुद्ध, शांत तथा शिक्षापयोगी वातावरण में विद्यालय, महाविद्यालय के समीप की जानी चाहिये।
4. छात्रावास में अध्ययनरत विद्यार्थियों को किसी भी बन्धन में न बांधकर प्रपाड़ित ना किया जाये जिससे उनकी शिक्षा में कोई अवरोध उत्पन्न हो।
5. छात्रावास में ऐसे अधीक्षक का चुनाव किया जाए उच्च शिक्षित हो तथा विद्यार्थियों के मन के भाव को समक्षकर उनके हितों को ध्यान में रखें।

संदर्भ सूची :–

1. अस्थाना, मोहन, स्वरूप (1998), शिक्षा एवं विद्यार्थी संगम प्रकाशन गाजियाबाद।
2. बरने तथा लेहनर (1953) ''असामान्य मनोविज्ञान'' मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
3. राय, कृष्ण चंद (2001) बालक और छात्रावासीय परिवेश, नैतिक प्रकाशन मेरठ।
4. मिश्रा डॉ. महेन्द्र (2009), (2009) 'समायोजन मनोविज्ञान' अर्जुन पब्लिशिंग हाउस 483124, प्रहलाद गली अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।
5. मिश्रा, अन्जू : (2007) अधिगम कक्षा का विकास एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, युनिवर्सिटी बुक हाउस।
6. भार्गव महेश, (2010), आधुनिक मनोवैज्ञानिक–परीक्षण एवं मापन, एच. पी. भार्गव बुक हाउस 19वां संस्करण।
7. भटनागर, सुरेश (1991), 'शिक्षा मनोविज्ञान', अटलाण्टिक पब्लिकशर्स, दिल्ली।

INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES © 2024
is licensed under Attribution-NonCommercial 4.0 International